

Handwritten text in a script, likely Hebrew or Aramaic, arranged in approximately 10 horizontal lines across the main body of the parchment. The text is heavily obscured by dark, irregular ink blotches and stains, particularly in the center and right portions of the page, making many characters illegible. The script appears to be a cursive or semi-cursive form.

Handwritten text in a script, likely Hebrew or Aramaic, located in a narrow vertical column on the right edge of the parchment. This text is also partially obscured by stains and appears to be a marginal note or a separate entry.

२३ नमो वाग श्रुता यथा ॥ अश्रुतिनक्षत्रा यथा संनवीक्ष्य
 नक्षत्रं ज्ञातुं सर्वं सत्त्वं त्रुपवत्कश्युं त्रुवत्क उमवत्क
 नाशप्रसाददम् धनदम् आगिश्युं देवपाकेरु
 किश्युं अथिनववनश्युं वानकसइरवी लिथं सु
 निश्युं विनात्रश्युं यववत्सरागा दानमायुं व
 यवत्क यदश्वनक्षत्रं विद्यासम् गुरुश्युं

२४ सगुधाने मरुक तिनदय कपावस द्वातिरवा
 सखापातस अकोलमृ फेदं ७ द्यावश्युं कानयम्
 दं २२ संगुमसरुम् दं ३२ अमानश्युं दं ५० त्रुवत्क
 रुम् धुतुं रुमरुगसा दं ७ गमृ फे ॥ १ ॥ रुमृ लिन
 क्षुप्या पुगवाहान मानुषाजाति गऊसत्त उमदवे
 ता पापकर्म अश्रु रागी आगीश्युं गुरुपाकेरु

किंशय्, चिनात्रशय्, वानकसइखि, लिथं सुखि
शय्, धनदयिव, लाहातसमथाक, यत्रधनसलाह
दयू, श्यामहाव, कलातर्क ३ कायमालिव, तिनद
यू, खात्रस, यातस, यत्रस, लाहातस, जकात्रमुत्क
दिन १ ना १ द १ द्वन, जतिसात्र, दिन २ ला २ द २ मि
लाहात, जति, विषति, द २७ द्वन, मुत्क रम, द

२२ धूनषय्, शक्ररुप, धानशय्, विषमद्वन, द ३०
मरिठनयिव, द २२ दवइ, खनद्वन, सतिपात, य
प्रजायुद १७ मुत्क ॥ २ ॥ कृत्तिकनकगुया, मधिक
गुवाहन, जाकसजात, धानसस, ल, यगलार, वृद्धि
वकशय्, सत्यदादि, मिगुदयू, धर्मीशय्, दवयुजा
द्वय, ल गुमससहालिव, तिलदयू, कयाहस, दला

लस॥ ज्ञातिकास॥ गुप्तास॥ घातस॥ खनस॥ धातस॥
तिनदय॥ अज्ञान॥ इ॥ धनि॥ वाक॥ ना॥ धा॥ सनय॥
आग॥ धा॥ न॥ धा॥ व॥ घात॥ रु॥ म॥ भा॥ उ॥ स्या॥ क॥ ज॥ काल॥
म॥ ए॥ द॥ १॥ घात॥ रु॥ म॥ द॥ २॥ १॥ व्या॥ वि॥ द॥ व॥ ३॥ खन॥ द॥ २॥
भा॥ उ॥ स्या॥ क॥ द॥ १॥ ०॥ घात॥ रु॥ मि॥ व॥ व॥ धन॥ स्या॥ मि॥ व॥ वि॥ प॥
ति॥ रु॥ मि॥ व॥ म॥ द॥ ल॥ न॥ वा॥ म॥ द॥ २॥ २॥ म॥ ए॥ र॥ व॥ धा॥ रु॥ म॥

रु॥ सा॥ द॥ २॥ ०॥ म्या॥ म॥ ॥ ३॥ ॥ ना॥ हि॥ नि॥ न॥ रु॥ म्या॥ रु॥ म॥
वा॥ दा॥ न॥ म॥ न॥ स्या॥ जा॥ न॥ वि॥ स॥ त्वा॥ वि॥ त॥ म॥ रु॥ द॥ स॥ त्वा॥ दि॥
क॥ ना॥ त्वा॥ द॥ १॥ का॥ य॥ मा॥ लि॥ व॥ का॥ य॥ भा॥ चा॥ न॥ सा॥ मि॥ रु॥ म॥
व॥ मा॥ म॥ व॥ व॥ मा॥ क॥ रु॥ कि॥ रु॥ मि॥ व॥ दा॥ न॥ या॥ म॥ भा॥ म॥ स॥
म॥ ग्या॥ नि॥ श॥ म॥ त॥ म॥ का॥ रि॥ श॥ म॥ रु॥ म॥ ग॥ ज्ञा॥ न॥ न॥ क॥ के॥ म॥
स॥ गु॥ म॥ स॥ क्वा॥ लि॥ व॥ स॥ न॥ रु॥ मि॥ व॥ ध॥ र्मा॥ मा॥ मि॥ व॥ ति॥ न॥ द॥
म॥ धा॥ द॥ न॥ स॥ र॥ वा॥ न॥ स॥ व॥ न॥ स॥ धा॥ स॥ ति॥ न॥ द॥ १॥ ज॥ का॥

नमः प्र. खानमद. उतिस्माक. क. ६० व. ५. ५२ क.
थस्माक. अगसयथा. भासाकवत. पुनदायुव. मरि
दयनार्थनय. ५३० पुनयु. दानविषमाल. नाना
विधानयाप्रमाल. देवयुजामाल. ॥ ५५ ॥ १२ म. ग. रि
~~ननकयमा. नाना. देवजात. विस्त. गालव.~~
न. ५५. धर्मसुनसु. र्वसम. कमा. अ. वि. ५५.

समयादि. ५५. ५५. ५५. ५५. ५५. ५५. ५५. ५५. ५५. ५५.
या. के. का. ५५. ५५. ५५. ५५. ५५. ५५. ५५. ५५. ५५. ५५.
कला. ५५. ५५. ५५. ५५. ५५. ५५. ५५. ५५. ५५. ५५.
सु. ५५. ५५. ५५. ५५. ५५. ५५. ५५. ५५. ५५. ५५.
गु. ५५. ५५. ५५. ५५. ५५. ५५. ५५. ५५. ५५. ५५.
य. ५५. ५५. ५५. ५५. ५५. ५५. ५५. ५५. ५५. ५५.

इयु लाहात कुतिस्याक भाभाक वव थथयद
द० भाउस्याक द० यथाइयाव जीवण सप्रइय
द० वनषूय व्याजरवनिव सा मसनचायं रुव
द० ५० मृत्पूरं हा मयायमाल पा० यायमाल व
लिविधानमान ॥ ५ ॥ १ आदानकं यथा विवादान
मानं यथा शिवासत्वं यथा वलव मिऊन मिस

स्वराव गिलदयु व्याधातस पत्रस पा० स गुड
स थगिसगिनदयु सत्रीजरिदहि नकीं ज्ञायु आ
लकोनद्वयु आदानसमस्तं यव प्रागधायु भा
उस्याक यथास्याक अतिवाल अकालमृत्पूर
द० भाउस्याक अग्निरुप विनदयपूरु व द० २४
इन यनस्याक द० २५ संग्रामपारुप वनषूपरु

वर्द ७० मृत्पुर्वं यद्यजामुर्द ७२ थनमृत्पु ॥ ४ ॥
॥ ७ ॥ ॥ १ ॥ पुनवसुन कुरुया यत्पुवादान दवजाति
रुतिसत्त्व विद्यासयुग्मनमनुसयु कुचतशुम्
मामवदूयाक रकिशुयु द्विनात्रशुयु शुविगा
यवनशुयु नाजसवकशुयु कनातशुयु ३ कायमा
लिव वात्रकसदृशिव तिनदयु खत्रस यीगस

या ७ स थनसगीत्रदयु नागधुवात विरु
शुष्म इद ध्वनि आकृयत्रार्थसत्रय ना १ द १ यात
स्या क द ३ केपितयु द १ ७ लैखयारुय सन्निवात
रुय सा धसयारुय शायरुव द २ ७ अतिसात्रन
मृत्पुर्वं यद्यजामुर्द ७१ मृत्पु ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ पुनवसुन कुरुया
यत्पुवादान दवजाति पुगसत्त्व

जिज्जसाशावशिद वृद्धिवनकश्य ५ मर्मकश्य
कुमाधप्रियु दानमायु गमकाप्रियु जला
सि अरिमानमरुल महाप्रविंअयस्ययश्य
पुनात्रश्य अस्यवादि रक्षुनचिह्नश्य मि
गुदय वनजनाहदय र्वसयु कनातर्कशका
यमालिव कायमाययकादय मिजन मिहास

राव तिलदय रवानस बाहास खनस जनस
लाहातस थासतिनदय अकात्रमुष जलजा
गन बाझलशाऊनएवति ॥८॥ ॥१॥ अशुवननकेश
या कोसबाहान नाऊसजात रुतिसत्व ५ मर्मकश्य
य महासागिशय आदुमिरवा सकनरुनचान
थवधुसरागी भवन खेवमखूनइ३खवियु क

जातर्क्ष ३ दयु चक्र नक्षत्रं य वज्रमनाक ज रिमा
नमस्तुल ल्याय पाय आत्मा दयु मिऊन मितास्वरा
व ति न दयु ग न स क पा ल स व धा न स पा न ड स
थ न स ति न दयु ज काल मृ फे ला १ र वा न म द क
मि दयु य न स्या क द ११ म हा ब्रा वि द ३० ग नि या
त सा म स न श य र व ग मु न दान ना य द ३३ ना

उ र य दयु ग रु या र म थ न रु य रु त सा द २० म्वा
य ॥ २ ॥ म द न र म म स वा दान ना रु स ज्ञा त रु
स ल व ल व न रु य द ना मि व थ व रु स रा ग रु
मि व वि ना न रु य क ला त रु ७ का य मा मि व वा न क
स ३ ४ रि लि थ रा मि रु मि व म हा रा मि नि मि रु
झ म स ग म स कालि व व व वि रु रु य त म का लि

इयु माम ववूयाकरुकिइयु विद्यासयु कव
नादयु अरिमानमरुल तिलदयु खालस वात
स गुद्रस लाहागस तुंगस थासतिलदयु अ
कालमृत्फ ना मिखासाक वातसाक द २ संभ
मसरय मात्रसाक जीवसंसय थांरु परुतसाद
५० स्वायु ॥ १० ॥ ~~युव~~ पूर्व ~~न~~ न कयमा
रुगु

सुदवासान मानुषजा कंसल कलातर्क ३ कायु
महासागिइयु तजदयु मिजन मिसासराव व्यादा
नसदा निव संसंयुव रिद्वलचदयिव निमिखंझायिव
दान पुन्रयायिव कसनशममा लक्षयु तिनदयु वात
स वागस थांरु तिनदयु ना गभातु वात विरु ककिव
यु साकदयु कनयुयु अकायमृ फ द २५ सन्निपात
वदमषुनवायु द २६ यासाकदयु थांरु परुतसा

14

2015

[illegible]

[illegible][illegible]

॥ रवेद्यो ॥ ॐ चिमया क

वया ॥ निभकानिद्रशरी

मेध्या॥ यण्ड त्रिसन्धाकाद

कर्म मा॥ असहनी निमरा

सेरुपाय विमलक वनवनक

केश्या ॥ खरगवक अर्थवक

इत्याम् ॥ यियवन् स्वामिक सन

द्विष्टमा

五

五

五

下

1997



11

臣等謹將

244

13

...



॥ ३५ ॥

वया॥ निभकानिद्रुखी

मर्थमा याद विम्वभाम

कर्म मा॥ जसदानि निम्न

सेरुपायिगिरक, वनवनक

के. धिया ॥ खरगवन ॥ अर्थदत्त

कुल्यामा ॥ यियवन्क हामिलक सन

विष्णुः

५५

五

下

100

五

118

174

三



1

[illegible]

216

ASHA ARCHIVES

4⁶⁶ 5⁶⁶ 6⁶⁶ 7⁶⁶ 8⁶⁶ 9⁶⁶ 10⁶⁶ 11⁶⁶ 12⁶⁶ 13⁶⁶ 14⁶⁶ 15⁶⁶ 16⁶⁶ 17⁶⁶ 18⁶⁶ 19⁶⁶ 20⁶⁶ 21⁶⁶ 22⁶⁶ 23⁶⁶ 24⁶⁶ 25⁶⁶ 26⁶⁶ 27⁶⁶ 28⁶⁶ 29⁶⁶ 30⁶⁶ 31⁶⁶ 32⁶⁶ 33⁶⁶ 34⁶⁶ 35⁶⁶ 36⁶⁶ 37⁶⁶ 38⁶⁶ 39⁶⁶ 40⁶⁶ 41⁶⁶ 42⁶⁶ 43⁶⁶ 44⁶⁶ 45⁶⁶ 46⁶⁶ 47⁶⁶ 48⁶⁶ 49⁶⁶ 50⁶⁶ 51⁶⁶ 52⁶⁶ 53⁶⁶ 54⁶⁶ 55⁶⁶ 56⁶⁶ 57⁶⁶ 58⁶⁶ 59⁶⁶ 60⁶⁶ 61⁶⁶ 62⁶⁶ 63⁶⁶ 64⁶⁶ 65⁶⁶ 66⁶⁶ 67⁶⁶ 68⁶⁶ 69⁶⁶ 70⁶⁶ 71⁶⁶ 72⁶⁶ 73⁶⁶ 74⁶⁶ 75⁶⁶ 76⁶⁶ 77⁶⁶ 78⁶⁶ 79⁶⁶ 80⁶⁶ 81⁶⁶ 82⁶⁶ 83⁶⁶ 84⁶⁶ 85⁶⁶ 86⁶⁶ 87⁶⁶ 88⁶⁶ 89⁶⁶ 90⁶⁶ 91⁶⁶ 92⁶⁶ 93⁶⁶ 94⁶⁶ 95⁶⁶ 96⁶⁶ 97⁶⁶ 98⁶⁶ 99⁶⁶ 100⁶⁶ 101⁶⁶ 102⁶⁶ 103⁶⁶ 104⁶⁶ 105⁶⁶ 106⁶⁶ 107⁶⁶ 108⁶⁶ 109⁶⁶ 110⁶⁶ 111⁶⁶ 112⁶⁶ 113⁶⁶ 114⁶⁶ 115⁶⁶ 116⁶⁶ 117⁶⁶ 118⁶⁶ 119⁶⁶ 120⁶⁶ 121⁶⁶ 122⁶⁶ 123⁶⁶ 124⁶⁶ 125⁶⁶ 126⁶⁶ 127⁶⁶ 128⁶⁶ 129⁶⁶ 130⁶⁶ 131⁶⁶ 132⁶⁶ 133⁶⁶ 134⁶⁶ 135⁶⁶ 136⁶⁶ 137⁶⁶ 138⁶⁶ 139⁶⁶ 140⁶⁶ 141⁶⁶ 142⁶⁶ 143⁶⁶ 144⁶⁶ 145⁶⁶ 146⁶⁶ 147⁶⁶ 148⁶⁶ 149⁶⁶ 150⁶⁶ 151⁶⁶ 152⁶⁶ 153⁶⁶ 154⁶⁶ 155⁶⁶ 156⁶⁶ 157⁶⁶ 158⁶⁶ 159⁶⁶ 160⁶⁶ 161⁶⁶ 162⁶⁶ 163⁶⁶ 164⁶⁶ 165⁶⁶ 166⁶⁶ 167⁶⁶ 168⁶⁶ 169⁶⁶ 170⁶⁶ 171⁶⁶ 172⁶⁶ 173⁶⁶ 174⁶⁶ 175⁶⁶ 176⁶⁶ 177⁶⁶ 178⁶⁶ 179⁶⁶ 180⁶⁶ 181⁶⁶ 182⁶⁶ 183⁶⁶ 184⁶⁶ 185⁶⁶ 186⁶⁶ 187⁶⁶ 188⁶⁶ 189⁶⁶ 190⁶⁶ 191⁶⁶ 192⁶⁶ 193⁶⁶ 194⁶⁶ 195⁶⁶ 196⁶⁶ 197⁶⁶ 198⁶⁶ 199⁶⁶ 200⁶⁶ 201⁶⁶ 202⁶⁶ 203⁶⁶ 204⁶⁶ 205⁶⁶ 206⁶⁶ 207⁶⁶ 208⁶⁶ 209⁶⁶ 210⁶⁶ 211⁶⁶ 212⁶⁶ 213⁶⁶ 214⁶⁶ 215⁶⁶ 216⁶⁶ 217⁶⁶ 218⁶⁶ 219⁶⁶ 220⁶⁶ 221⁶⁶ 222⁶⁶ 223⁶⁶ 224⁶⁶ 225⁶⁶ 226⁶⁶ 227⁶⁶ 228⁶⁶ 229⁶⁶ 230⁶⁶ 231⁶⁶ 232⁶⁶ 233⁶⁶ 234⁶⁶ 235⁶⁶ 236⁶⁶ 237⁶⁶ 238⁶⁶ 239⁶⁶ 240⁶⁶ 241⁶⁶ 242⁶⁶ 243⁶⁶ 244⁶⁶ 245⁶⁶ 246⁶⁶ 247⁶⁶ 248⁶⁶ 249⁶⁶ 250⁶⁶ 251⁶⁶ 252⁶⁶ 253⁶⁶ 254⁶⁶ 255⁶⁶ 256⁶⁶ 257⁶⁶ 258⁶⁶ 259⁶⁶ 260⁶⁶ 261⁶⁶ 262⁶⁶ 263⁶⁶ 264⁶⁶ 265⁶⁶ 266⁶⁶ 267⁶⁶ 268⁶⁶ 269⁶⁶ 270⁶⁶ 271⁶⁶ 272⁶⁶ 273⁶⁶ 274⁶⁶ 275⁶⁶ 276⁶⁶ 277⁶⁶ 278⁶⁶ 279⁶⁶ 280⁶⁶ 281⁶⁶ 282⁶⁶ 283⁶⁶ 284⁶⁶ 285⁶⁶ 286⁶⁶ 287⁶⁶ 288⁶⁶ 289⁶⁶ 290⁶⁶ 291⁶⁶ 292⁶⁶ 293⁶⁶ 294⁶⁶ 295⁶⁶ 296⁶⁶ 297⁶⁶ 298⁶⁶ 299⁶⁶ 300⁶⁶ 301⁶⁶ 302⁶⁶ 303⁶⁶ 304⁶⁶ 305⁶⁶ 306⁶⁶ 307⁶⁶ 308⁶⁶ 309⁶⁶ 310⁶⁶ 311⁶⁶ 312⁶⁶ 313⁶⁶ 314⁶⁶ 315⁶⁶ 316⁶⁶ 317⁶⁶ 318⁶⁶ 319⁶⁶ 320⁶⁶ 321⁶⁶ 322⁶⁶ 323⁶⁶ 324⁶⁶ 325⁶⁶ 326⁶⁶ 327⁶⁶ 328⁶⁶ 329⁶⁶ 330⁶⁶ 331⁶⁶ 332⁶⁶ 333⁶⁶ 334⁶⁶ 335⁶⁶ 336⁶⁶ 337⁶⁶ 338⁶⁶ 339⁶⁶ 340⁶⁶ 341⁶⁶ 342⁶⁶ 343⁶⁶ 344⁶⁶ 345⁶⁶ 346⁶⁶ 347⁶⁶ 348⁶⁶ 349⁶⁶ 350⁶⁶ 351⁶⁶ 352⁶⁶ 353⁶⁶

[illegible][illegible]